2. Properties of Indifferences Curves.
(अनधिमान वक्रों की विशेषताएँ)

तटस्थता वक्र की निम्नलिखित मुख्य विशेषताएँ हैं -

i) अनधिमान वक्र नीचे की ओर बाँयें से दायें झुकी होती है :- तटस्थता वक्र बाँयें से दायीं ओर झुकी होने का अर्थ है कि संतुष्टि के उसी स्तर पर बने रहने के लिए यह आवश्यक है कि यदि उपभोक्ता X वस्तु के उपभोग में कमी करेगा। यह तभी संभव है, जब उदासिनता वक्र की ढाल ऋणात्मक हो। प्रस्तुत चित्र में स्पष्ट रूप से उदासिनता वक्र IC, बायें से दायें ओर झुकती हुई ऋणात्मक ढाल को बताती है।

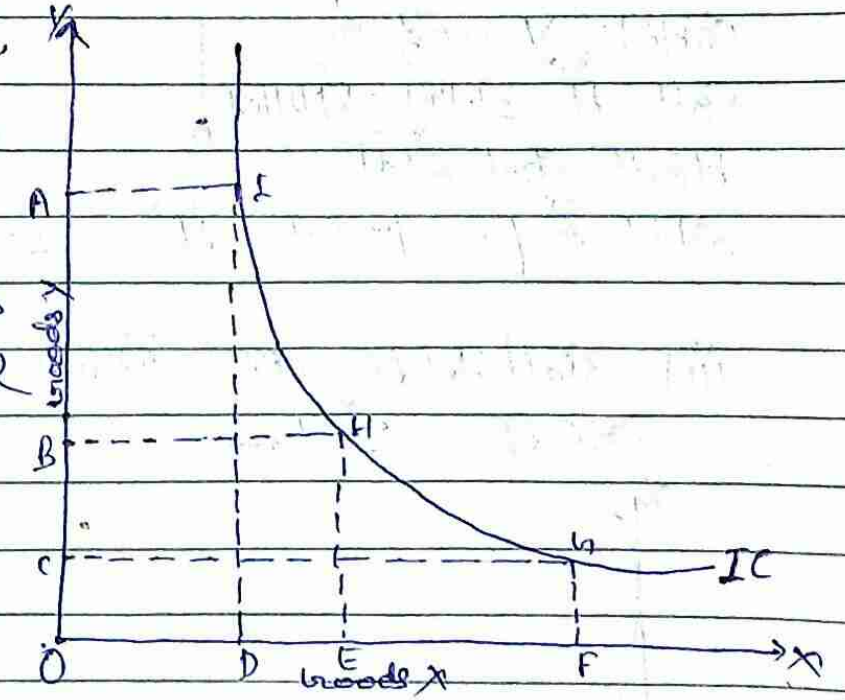

ii) उदासिनता वक्र मूल बिन्दु की ओर (convex) उन्नतोदर रहते हैं- इसका अर्थ यह है कि उदासिनता वक्र बायें छोड़ पर अधिक मूल बिन्दु की ओर ढालू होती है जबकि अपने दायें छोड़ पर यह समतल होता है। यह इस बात को बताती है कि वस्तु x और y

के बीच प्रतिस्थापन की सीमान्त दर ह्रासमान होती है। अर्थात् जब उपभोक्ता x की अधिक इकाइयों को उपयोग में लाता है तो x की अगली इकाईयों के लिए वह y की जिस मात्रा का परित्याग करने को तत्पर रहता है, क्रमशः y वस्तु के रूप में उसका सीमान्त महत्व कम होती जाती है। चित्र में यह स्पष्ट दिख रहा है।

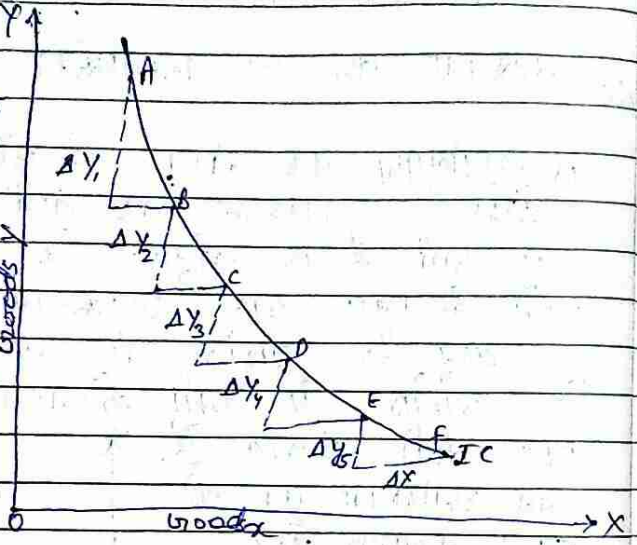

iii) उदासिनता वक्र किसी भी अक्ष को स्पर्श नहीं करता है।—

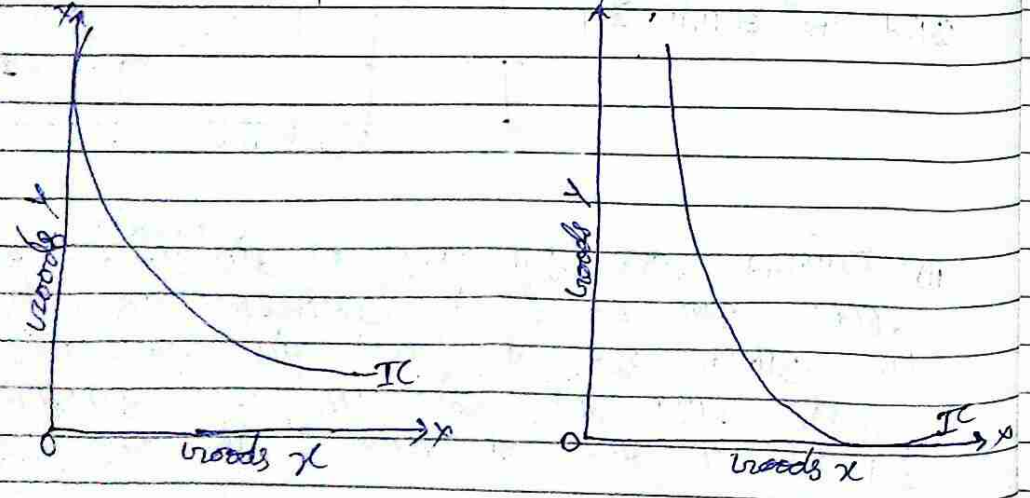

यदि उदासिनता वक्र किसी भी अक्ष को स्पर्श करे तो इसका अर्थ यह होगा की वह दोनों में से किसी भी एक वस्तु x या वस्तु y का चुनाव करता है जो उदासिनता वक्र की परिभाषा के अनुसार गलत है क्योंकि उपभोक्ता इसमें दो वस्तुओं के संयोग का चुनाव करता है किसी एक का नहीं।

iv) एक ऊँचा तटस्थता वक्र एक नीचे स्थित तटस्थता वक्र की तुलना में अधिक संतुष्टि देता है:-

चित्र में तीन उदासिनता वक्र IC_1, IC_2 तथा IC_3 हैं। IC_2 पर स्थित बिन्दु B, IC_1 पर स्थित संयोग A की अपेक्षा अधिक संतुष्टि स्तर को दिखाता है जबकि IC_3 जो सबसे ऊँचा है उस पर स्थित x और y वस्तुओं के संयोग बिन्दु C, IC_1 और IC_2 पर स्थित A तथा B की तुलना में सर्वाधिक संतुष्टि स्तर को व्यक्त कर रहा है।

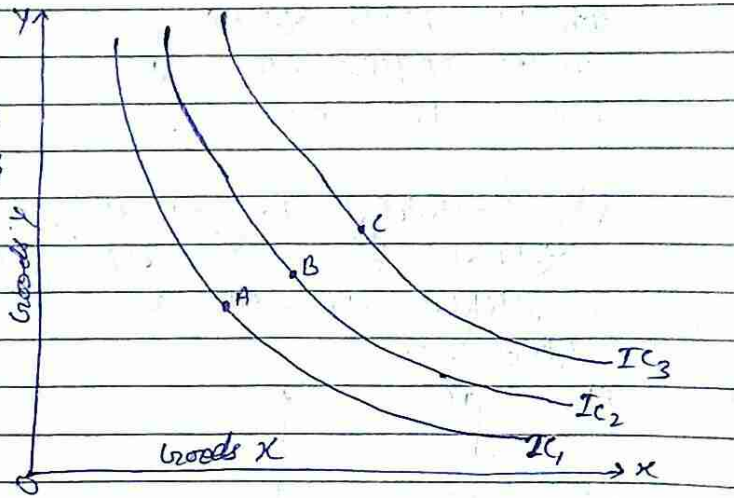

v) दो उदासिनता वक्र एक दूसरे को कभी नहीं काटते:-

यदि दोनों वक्र एक दूसरे को काटते हैं तो इसका अर्थ यह है कि दोनों उदासिन वक्रों पर कोई

साम्य बिन्दु है जिसपर उपलब्ध x और y वस्तु का ऐसा संयोग जिसे उपभोक्ता IC_1 तथा IC_2 दोनों पर चाहता है तो एक गलत धारणा है। तटस्थता वक्र की परिभाषा से हम हम जानते हैं कि अलग-अलग IC_1 वक्र पर स्थित संयोग अलग संतुष्टि स्तर को व्यक्त करता है।

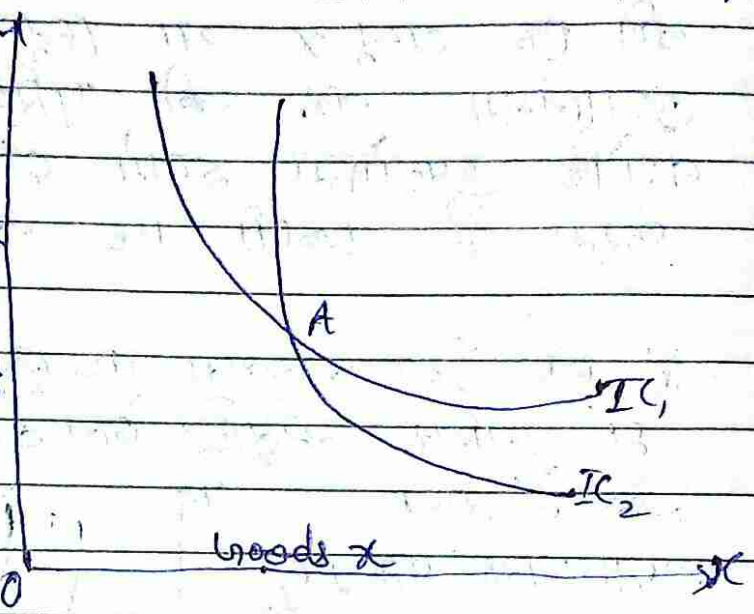

vi) उदासिनता वक्र न तो x अक्ष के समान्तर हो सकता है और नहीं y अक्ष के समान्तर। उदासिनता वक्र ऊपर की ओर चढ़ता हुआ नहीं हो सकता है।